दैनिक पूर्वोदय

6 जोरहाट, वृहस्पतिवार, 12 अक्टूबर, 2023

डिब्रू कॉलेज में रेड क्रॉस का रक्तदान शिविर

डिब्रूगढ़, 11 अक्टूबर (नि.सं.)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, डिब्रूगढ़ जिला शाखा ने एनएसएस, एनसीसी और आईक्यूएसी के साथ डिब्रू कॉलेज की यूथ रेड क्रॉस यूनिट के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। महाविद्यालय की इकाई, एएमसीएच, डिब्रूगढ़ के ब्लड बैंक और अर्चना अस्पताल, डिब्रूगढ़ जैसे अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों ने भी रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए पूरी मदद की। रक्तदान शिविर शुरू होने से ठीक पहले छात्रों को रक्तदान और इसके परोपकारी पहलुओं के बारे में जागरूक करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। भारतीय रेड क्रॉस युवा इकाई के सदस्य डॉ. विवियन सइकिया ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को अपने स्वागत भाषण से संबोधित किया।

रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. पंकज कुमार श्रुतिकर ने भी रक्तदान शिविर के बारे में बताया और सभी से निर्भय होकर रक्तदान करने का आग्रह किया। आईआरसीएस, डिब्रूगढ़ के अध्यक्ष डॉ. प्रणित कुमार चौधरी ने अपने भाषण में रक्तदान के माध्यम से मानव की भलाई करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा रक्तदान महा दान है। असम मेडिकल कॉलेज की एमओ डॉ. जाह्नवी चेतिया ने रक्तदान के फायदे बताए और सभी से रक्तदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता का सच्चा उदाहरण है। आईआरसीएस, डिब्रूगढ़ के उपाध्यक्ष डॉ. आरएन बोरबोरा ने रक्तदान के फायदे के बारे में विस्तार से बात की, जो अप्रत्यक्ष रूप से एक व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है। शिविर का उद्घाटन डिब्रू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रंजन चांगमाई ने किया। अपने भाषण में डॉ. चांगमाई ने सभी छात्रों से मानवता के साथ समाज के लिए काम करना जारी रखने का आग्रह किया। बैठक के बाद डिब्रू कॉलेज के प्रोफेसर और रेड क्रॉस सोसाइटी के सक्रिय सदस्य डॉ. कमलेंदु सइकिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया और सभी छात्रों से रक्तदान में भाग लेने के लिए तैयार रहने को कहा। शिविर में कुल 25 यूनिट रक्त ब्लड बैंक डिब्रूगढ़ के लिए एकत्र किया गया। यह जानकारी रेड क्रॉस सोसाइटी के डॉ. पंकज श्रुतिकर ने दी है।